❶

ओ३म्

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

# आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

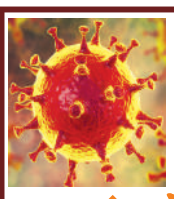





कोरोना वायरस संक्रमण

सतर्क रहें - सुरक्षित रहें

सरकार के निर्देशों का पालन करें

स्वयं बचें - परिवार बचाएं- देश बचाएं

वर्ष 43, अंक 25 एक प्रति : 5 रुपये

सोमवार 18 मई, 2020 से रविवार 24 मई, 2020

विक्रमी सम्वत् 2077 सृष्टि सम्वत् 1960853121

दयानन्दाब्द : 197 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8

दूरभाष: 23360150 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com

इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

कोरोना के कहर में आर्य समाज ने रचा मानव सेवा का अनुपम इतिहास

## लाखों निर्धनों की लगातार 50 दिनों तक राशन-भोजन देकर की सहायता

### सरकार के सभी निर्देशों का किया पालन : कोरोना से सुरक्षा हेतु समाज को हर कदम पर किया जागरूक

### कोटा (राजस्थान) में श्री अर्जुनदेव चड्डा जी के नेतृत्व में किए जा रहे सेवा कार्य प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय

*आर्य समाज का इतिहास सदैव मानव सेवा और परोपकार का प्रेरणाप्रद इतिहास रहा है। जब-जब भारत राष्ट्र और विश्व के सामने किसी भी प्रकार की आपदा आई तब-तब आर्य समाज ने पूरी शक्ति के साथ सेवा और समर्पण का स्वर्णिम इतिहास रचा है। इस महान सेवाभावी संगठन ने वैश्विक महामारी कोराना के विरुद्ध विश्वव्यापी जंग में हर स्तर पर पूरी जिम्मेदारी के साथ सफल संघर्ष करके यह दिखा दिया कि चुनौती चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो कुशल नेतृत्व, आदर्श योजना और निस्वार्थ सेवाभाव से किए गए कल्याणकारी कार्य हमेशा सफल सिद्ध होते हैं। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेशचंद्र आर्य जी, मंत्री श्री प्रकाश आर्य जी, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, महामंत्री श्री विनय आर्य जी एवं भारत सहित विश्व की समस्त प्रांतीय और सभी देशों की प्रतिनिधि सभाओं के माननीय अधिकारियों के निर्देशन में हजारों आर्य समाजों के लाखों अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं तथा सदस्यों ने पूरी निष्ठा के साथ जो सेवा के प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं, वे मानवमात्र के लिए स्तुत्य और अनुकरणीय हैं।*

#### जागरूकता अभियान का सफल संचालन

कोरोना जैसी भयंकर महामारी से मानव समाज की सुरक्षा हेतु दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ने अपने मुख पत्र आर्य सन्देश, सोशल मीडिया तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया महाशय धर्मपाल आर्य मीडिया सैंटर के माध्यम से विश्व की सभी आर्य समाजों, प्रचारक विद्वानों, आर्य संन्यासियों एवं मानवमात्र को समय-समय पर कोरोना से बचने की संपूर्ण आवश्यक जानकारी और सुझाव देकर सावधान करने का कार्य लगातार किया है। यह जागरूकता अभियान निरंतर जारी है।

#### आर्य समाज ने अपने राष्ट्रीय और वार्षिक पर्वों को किया स्थगित

आर्य समाज हमेशा अपने राष्ट्रीय पर्वों को पूरे हर्षोल्लास से मनाता आया है लेकिन कोरोना को लेकर भारत सरकार द्वारा जारी की गई गाईड लाइन को स्वीकारते हुए आर्य समाज के शीर्ष नेतृत्व ने नव सस्येष्टि पर्व (होली), आर्य समाज का 146वां स्थापना दिवस एवं नव विक्रमी सम्वत 2077, पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी का जन्मोत्सव, विश्वव्यापी आर्य समाजों के वार्षिक उत्सव, गुरुकुलों के कार्यक्रम, आदिवासी वैचारिक प्रांति शिविर, आर्य समाज के प्रचार-प्रसार हेतु अनेक प्रभावशाली आयोजन, आर्यवीर दल, आर्य वीरांगना दल के प्रांतीय, राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन इत्यादि समस्त कार्यक्रम मानवता की रक्षा के लिए त्याग भावना का परिचय देते हुए स्थगित करने का उचित निर्णय लिया।

#### नियमित यज्ञों के आयोजन

यह सर्वविदित है कि लगभग सभी आर्य समाजों में प्रतिदिन यज्ञों के विधिवत् आयोजन होते हैं। इनमें आर्य समाज के पुरोहित, सेवक, अधिकारी, सदस्य, कार्यकर्त्ता नियमित भाग लेते हैं। कोरोना को लेकर सोशल डिस्टेंस को ध्यान में

- शेष पृष्ठ 7 पर

### आर्य समाज ने चलाए सेवा के विभिन्न आयाम

**वैश्विक महामारी कोरोना से हर आयु वर्ग का व्यक्ति प्रभावित हुआ है। आर्य समाज द्वारा की गई सेवा का कोई एक क्षेत्र या केंद्र न होकर बड़ा ही विस्तृत और व्यापक सेवा कार्यक्षेत्र रहा है। दिल्ली सभा के कुशल निर्देशन में जहां एक ओर -**

- ★ निर्धन, गरीब मजदूर और पलायन करने वाले लोगों के लिए भोजन और राशन वितरण की व्यवस्था।
- ★ दिल्ली के पुरोहित एवं सेवक महानुभावों को सम्मान राशि।
- ★ समर्पित भजनोपदेशकों एवं विद्वानों, संन्यासी महानुभावों को सम्मान राशि।
- ★ गुरुकुलों, अनाथालयों एवं सेवा संस्थानों को सहयोग राशि।
- ★ आर्यवीर दल दिल्ली प्रदेश के आर्यवीरों एवं आर्य वीरांगना दल की वीरांगनाओं को सहयोग राशि।
- ★ पूर्वोत्तर में आसाम, नागालैंड, त्रिपुरा में सेवा कार्यों के लिए सहयोग राशि।
- ★ दिल्ली पुलिस कर्मियों को मास्क प्रदान।
- ★ जगह-जगह सेनिटाइंजिंग करना।
- ★ प्रधानमंत्री राहत कोष (पी.एम. केयर) एवं मुख्यन्त्री राहत कोष में दिल्ली और भारत की आर्य समाजों द्वारा दान राशि के लिए प्रेरित करना।
- ★ विश्व स्तर पर लाखों घरों में एक साथ यज्ञ करना।
- ★ महाशय धर्मपाल आर्य मीड़िया सैंटर के माध्यम से पूरे मानव समाज को जगरूरक करना।
- ★ मोबाईल एप्लीकेशन जूम के माध्यम से दिल्ली, भारत और विश्व की आर्य समाजों के अधिकारियों के साथ प्रतिदिन मीटिंग करना।
- ★ सेवा कार्यों को निरंतर गतिशील बनाए रखना।
- ★ दयानन्द सेवाश्रम संघ के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में सेवा कार्य।

### कोरोना महामारी : बचाव हेतु कुछ उपयोगी बिन्दु

आज 23 मई 2020 को भारत में कोरोनावायरस पोजीटिव मरीजों की संख्या सवा लाख से ज्यादा और अभी तक इस लाइलाज बीमारी से मरने वालों का आंकड़ा 3,728 हो गया है, जबकि विश्व स्तर पर 52 लाख मरीज और मरने वालों की संख्या 335 हजार से अधिक बताई जा रही है। यह भी सब जानते हैं कि अभी तक इस बीमारी से जीतने की कोई औषधि संसार में उपलब्ध नहीं हो पाई है। हालांकि इस खतरनाक जानलेवा और एक से दूसरे आदमी तक सेकिंडो में वार करने वाली बीमारी के सही उपचार हेतु दवाई बनाने में पूरे विश्व के चिकित्सा जगत के विद्वान दिन रात मेहनत कर रहे हैं।

वर्तमान में यह कहा जा सकता है कि भारत सरकार की सारी गाइड लाइन को मानते हुए हमें हर तरह से सतर्क और सावधान रहते हुए स्वयं ही अपना चिकित्सक बनकर जीवन यात्रा पर आगे बढ़ना होगा, इसके लिए यहां प्रस्तुत है कुछ उपयोगी बिंदु.....

मनुष्य के शरीर में रोग भी होते हैं और रोगों से लड़कर जीतने की शक्ति भी होती है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों में यह शक्ति कम मात्रा में पाई जाती है, इसलिए भारत सरकार ने 10 वर्ष से छोटे और 65 वर्ष की आयु तक के बुजुर्गों को घर में रहने का निर्णय लिया है। लेकिन जो लोग इसके बीच की उम्र के लोग हैं, जिन्हें अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न रहना है, बाहर भीतर आना जाना है, उन सबको विशेष रूप से अपना पूरा ख्याल रखना चाहिए। इसके लिए हमारे अनुभवी आयुर्वेदाचार्य और परामर्शदाता एक स्वर में कह रहे हैं कि सब अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाएं। क्योंकि आजकल ज्यादातर लोग यह स्वीकार चुके हैं कि इस बीमारी से वही जीतेगा जिसकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता, (इम्यूनिटी सिस्टम) मजबूत होगी। इसका सीधा सा मतलब है कि कोरोनावायरस से जीतने की दवा बाहर नहीं हमारे ही भीतर है।

- शेष पृष्ठ 8 पर

### दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आर्य वीर दल कीर्ति नगर के सहयोग से हो रहा है सैनिटाइजेशन



पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी ने सैनिटाइजेशन कार्य कर रहे आर्यवीरों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी भी उपस्थित रहे। आर्य वीरों ने कीर्ति नगर के कलस्टर एरिया में, हनुमान रोड, विकासपुरी एवं दिल्ली की सड़कों पर जगह-जगह पुलिस बैरिकेट आदि को सेनिटाइज्ड कर रहे हैं।

वेद-स्वाध्याय

# परम जातवेदा मुझे श्रद्धा और मेधा देवें

**अग्ने समिधमाहार्षं बृहते जातवेदसे।**
**स मे श्रद्धां च मेधां च जातवेदाः प्र यच्छतु।। -अथर्व० 19/64/1**
**ऋषिः ब्रह्मा।। देवता - अग्निः।। छन्दः अनुष्टुप्।।**

**शब्दार्थ - अग्ने** = हे प्रकाशस्वरूप प्रभो ! **बृहते** = बहुत बड़े, परम **जातवेदसे** = जातमात्र के जाननेवाले, ज्ञानयुक्त आपके लिए मैं **समिधम्** = समिधा को, प्रदीपनीय वस्तु को **आहार्षम्** = आहरण करता हूँ, लाता हूँ। **सः** = वह **जातवेदाः** = ज्ञानयुक्त अग्नि **मे** = मुझे **श्रद्धां च** = श्रद्धा को भी और **मेधां च** = मेधा को भी **प्रयच्छतु** = प्रदान करे।

**विनय** - जब समिधा अग्नि में डाली जाती है तो वह जल उठती है, अग्निरूप हो जाती है, समिधा में छिपी अग्नि उद्बुद्ध हो जाती है, प्रदीप्त अवस्था में आ जाती है। इसीलिए वैदिक काल के जिज्ञासु लोग समित्पाणि होकर (समिधा हाथ में लेकर) गुरु के पास आया करते थे, अपने को समिधा बनाकर गुरु के लिए अर्पित कर देते थे, जिससे कि वे अपने गुरु की अग्नि से प्रदीप्त हो जावें। उस वैदिक विधि के अनुसार मैं भी अपने आचार्य के चरणों में उपस्थित हुआ हूँ और उनकी अग्नि द्वारा उन-जैसा प्रदीप्त होना चाहता हूँ। मैं जानता हूँ कि प्रदीप्त हो जाना बड़ा कठिन है। प्रदीप्त होने से पहले अपने को जला देना होता है और यह अपने को जला देना तभी किया जा सकता है जब मुझमें पूर्ण श्रद्धा हो कि इस जलने द्वारा मैं अवश्य प्रदीप्त व ज्ञानमय हो जाऊँगा। इसलिए पहले तो मुझमें श्रद्धा की आवश्यकता है। इसी प्रकार गीली होने आदि किसी दोष के कारण यदि समिधा अग्नि को धारण न करे, तो भी वह प्रदीप्त नहीं हो सकती। इसलिए मुझमें ज्ञान के धारण करनेवाली बुद्धि, मेधा की भी आवश्यकता है। श्रद्धा और मेधा के बिना मैं कभी ज्ञान से दीप्त नहीं हो सकता, पर इस श्रद्धा और मेधा को मैं और कहाँ से लाऊँ? मैं तो इन 'जातवेदाः' अग्नि से, अपने आचार्यदेव से ही प्रार्थना करता हूँ कि वे मुझे श्रद्धा और मेधा का दान प्रदान करें। वे जातवेदा हैं, उन्हें ज्ञान हो चुका है, वे ज्ञान की जलती हुई अग्नि हैं, अतः वे 'जातवेदा' यदि चाहें तो मुझे श्रद्धा और मेधा भी दे सकते हैं।

अन्त में मैं प्रातः-सायं भौतिक अग्नि के लिए अपनी जो काष्ठ की समिधा लाता हूँ, शिष्यरूप में आचार्याग्नि के लिए अपने शरीर-मन-आत्मा के प्रदीपनार्थ जो तीन समिधाएँ प्रतिदिन लाता हूँ, राष्ट्रसेवक या धर्मसेवक बनकर राष्ट्राग्नि या धर्माग्नि आदि के लिए जो तदुपयोगी समिधाएँ लाता हूँ, ये सब-की-सब समिधाएँ अन्त में उस 'बृहत् जातवेदाः' के लिए, उस सब-कुछ जाननेवाले महान् अग्नि के लिए लाता हूँ जो सब आचार्यों का आचार्य है, सब अग्नियों का अग्नि है, परम-परम अग्नि है और अन्त में उसी 'बृहत् जातवेदाः' से श्रद्धा और मेधा की याचना करता हूँ जोकि परम श्रद्धामय है और मेधा का भण्डार है।

**-: साभार :- वैदिक विनय**

**वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

सम्पादकीय

# प्रकृति का रौद्ररूप : क्यों और कैसे?

*.....सारी प्रकृति यज्ञमय है। परोपकार का सुंदर रूप है, लेकिन मनुष्य राक्षस के रूप बन भक्षक बन गए हैं। हमें सिखाया गया था कि प्रकृति का सदुपयोग उतना ही किया जाना चाहिए जितना जीने के लिए आवश्यक हो। परन्तु यह क्या हो गया? हम विश्व की भोग की संस्कृति में डूब गये। हमें फिर अपने वेदों की और लौटना होगा। त्याग, तपस्या, समर्पण एवं सबका संरक्षण सीखना होगा। यज्ञ, योग, स्वाध्याय, सेवा,सहयोग,सत्संग को दिल से अपनाना होगा, प्रकृति की पवित्र प्रेरणा से अपने जीवन को सजाना होगा, नियम और मर्यादापूर्ण जीवन जीना होगा, ईश्वर की व्यवस्था और नियमों के अनुसार जीवन की यात्रा पर आगे बढ़ना होगा, सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया। सभी सुखी रहें, सब निरोग रहें, यही ईश्वर से प्रार्थना करनी होगी। कोरोना का हमला, यह तो मात्र संकेत है। .....*

मनुष्य जाति पर इतना बड़ा प्राकृतिक संकट पिछले सौ वर्षों में कभी नहीं आया। आज पूरा विश्व कोरोना की महामारी से जूझ रहा है। इसके साथ-साथ असमय बारिश, ओलावृष्टि, पहाड़ों में बर्फबारी, एक महीने में चार बार भूकंम की दस्तक और अब बंगाल की खाड़ी उठा महा विनाशकारी अन्थफ तुफान प्रकृति का यह भयंकर रौद्ररूप क्यों और कैसे? यह प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। विश्व की सारी महाशक्तियाँ बेबस, लाचार एवं असहाय महसूस कर रही हैं। विज्ञान एवं वैज्ञानिक भी हतप्रभ हैं। वे बहुत प्रयास करके भी इस वायरस की काट नहीं ढूंढ पा रहे हैं। शासन-प्रशासन जी-तोड़ कोशिश कर रहा है। संक्रमण को रोकने पर धीरे-धीरे अपना नियंत्रण खोता जा रहा है। आम लोग दहशत में हैं। हर तरफ अंधेरा, अविश्वास, निराशा एवं हताशा का माहौल बढ़ता जा रहा है। चारों तरफ संत्रास है, बेचैनी है, महामारी तक पहुंचने का भय है, आतंक है, बदहवासी है। सभी तरह के विकास, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, होशियारी, दादागिरी, अस्त्र-शस्त्र, धार्मिक उन्माद एवं अंधविश्वास, टोना-टोटका, ज्योतिषीय कर्मकांड, झाड़-फूंक, मंदिर-मस्जिद, गिरजाघरों एवं गुरुद्वारों में बैठे मठाधीश अपनी जान बचाने में लगे हुए हैं। सबकी हेकड़ी निकल गई है। मौत मुंहबाए सामने खड़ी दिख रही है। लेकिन फिर भी कोई यह गहराई से सोचने के लिए तैयार नहीं है कि ऐसा क्यों हो रहा है? परोपकार का सबसे बड़ा प्रेरक उदाहरण प्रकृति ने ऐसा रौद्र रूप क्यों धारण कर लिया है? संसार में सृजन की जगह विध्वंश क्यों हो रहा है? विकास के स्थान पर विनाश की प्रक्रिया क्यों गतिशील है?

सांसारिक सौंदर्य का परम साधन प्रकृति है, किंतु मनुष्य परमात्मा की विलक्षण रचना है और इसकी विशेषता का आधार इसका बौद्धिक बल है। प्रकृति ने जिसको जिस रूप में पैदा किया वह उसी रूप में प्राकृतिक होता है। किंतु मनुष्य द्वारा परिष्कृत और संशोधित किए जाने पर वह सांस्कृतिक हो जाता है। पर्वत पठारों से बहने वाले झरने और नदियां प्राकृतिक होते हैं और उनको नए आकार-प्रकार देकर सिंचाई के लिए कुंआ, तालाब, नहरें बना देना संस्कृति बन जाती है। इसी तरह प्रकृति से उत्पन्न कंदमूल,फल-फूल, वनस्पतियां-औषधियां सब प्राकृतिक होती हैं लेकिन जब इन्हें मनुष्य कूट-पीटकर,पीसकर खाद्य सामग्री के रूप में तैयार कर देता है तो सब कुछ संस्कृतिमय हो जाता है। प्रकृति का कण-कण मनुष्य जाति के उपभोग के लिए है, लेकिन हर चीज की एक मर्यादा-सीमा होती है। प्रकृति का एक खास नियम है कि जब तक मनुष्य इसका प्रयोग मर्यादा में करता है तो यह एक वरदान के रूप में कल्याणकरी सिद्ध होती है, लेकिन नियम और मर्यादा के टूट जाने पर प्रकृति जब रौद्ररूप धरण करती है तो इसके कठोर दंडविधान से कोई बच भी नहीं पाता। इसलिए वेद भगवान ने मनुष्य को त्यागपूर्वक भोग करने की आज्ञा प्रदान की है। यहां त्याग का अर्थ है-मर्यादा, संतुलन, नियम, व्यवस्था।आज संसार में चारों तरफ आपाधापी और भागम-भाग है,प्रकृति जो परोपकार का परम साधन और सेवा,साधना का सशक्त माध्यम है,मनुष्य स्वार्थ और लोभ के कारण सारे नियम और मर्यादा को ताक पर रखकर प्रकृति के साथ लंबे समय से पूरी तरह खिलवाड़ करता रहा है। आज हम जो महाविनाश का तांडव देख रहे हैं वह प्रकृति के साथ हुई छेड़छाड़, दुर्व्यवहार, दुराचार की छोटी-सी चीत्कार है। अगर मानव जाति नहीं सुधरी तो ओर भी बहुत कुछ हो सकता है। आज प्रकृति के प्रकोप के सामने मनुष्य का ज्ञान, विज्ञान, तकनीक, सूचना-प्रौद्योगिकी, आयुर्विज्ञान, शोध एवं तमाम तामझाम लाचार और मजबूर क्यों नजर आ रहा है? प्रकृति को मनुष्य केवल एक दोहन एवं इस्तेमालशुदा चीज मान बैठा था। आदमी अपने आराम एवं विलासिता के लिए प्रकृति का आखिरी हद तक इस्तेमाल करने पर आमादा था। हम हवा गंदी करेंगे। हम पानी गंदा करेंगे। हम जंगल नहीं रहने देंगे। हम सारे जीव-जन्तु, पशु-पक्षी सबको खा जाएंगे। हम अंतरिक्ष को अपना घर बना देंगे। उसके गर्भ का सारा पानी बाहर निकालकर शौच के साथ बहाकर गंदा कर नदियों में डाल देंगे। और इन्हें गंदा-बदबूदार नाला बना देंगे।विदेशों में हम नहाएंगे नहीं हफ्तों तक। हम कपड़े नहीं धोएंगे सालों तक। हम अपने बेडरूम में शौचालय बनाएंगे। शौच कर धोएंगे नहीं सिर्फ कागज से साफ करेंगे और अपना घर सड़ाएंगें, हम सब बेमेल चीजें खाएंगे। हम रातभर काम करेंगे। दिनभर सोएंगे। हम शुद्धता एवं पवित्रता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखेंगें, हम अपनी संस्कृति, सभ्यता एवं अपनी सदाशयता की प्रवृत्ति भूल गए।

सारी प्रकृति यज्ञमय है। परोपकार का सुंदर रूप है, लेकिन मनुष्य राक्षस के रूप बन भक्षक बन गए हैं। हमें सिखाया गया था कि प्रकृति का सदुपयोग उतना ही किया जाना चाहिए जितना जीने के लिए आवश्यक हो। परन्तु यह क्या हो गया? हम विश्व की भोग की संस्कृति में डूब गये। हमें फिर अपने वेदों की और लौटना होगा। त्याग, तपस्या, समर्पण एवं सबका संरक्षण सीखना होगा।

यज्ञ, योग, स्वाध्याय, सेवा, सहयोग, सत्संग को दिल से अपनाना होगा, प्रकृति की पवित्र प्रेरणा से अपने जीवन को सजाना होगा, नियम और मर्यादापूर्ण जीवन जीना होगा।

*- शेष पृष्ठ 8 पर*

# दैनिक समाचार पत्रों/प्रिंट मीडिया में आर्यसमाज के सेवा कार्यों के प्रकाशित विवरण

जनमत की पुकार
www.janmatkipukar.com
लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
वर्ष: 7, अंक: 154
पृष्ठ: 8
नई दिल्ली, गुरुवार
16 अप्रैल 2020
मूल्य: 5 रुपया

## कोरोना योद्धाओं की तरफ काम कर रहे सफाई कर्मचारियों का आर्यसमाज रानीबाग ने किया जोरदार स्वागत, दिहाड़ी मजदूरों के बीच बांटा राशन

आरके जायसवाल

नई दिल्ली (जनमत की पुकार)। प्रधानमंत्री की अपील पर रानीबाग आर्यसमाज मंदिर के प्रधान व सुप्रसिद्ध समाजसेवी जोगेन्द्र खट्टर इस मुश्किल की घड़ी में काम करने वाले कोरोना योद्धाओं को सम्मानित करने के लिए खुद सामने आये हैं। आर्य समाज गुरुकुल के बच्चों ने रानीबाग मार्केट आर्य समाज मंदिर के छतों से दर्जनों सफाई कर्मचारियों पर पुष्प वर्षा व बैंड बजाकर उनका जोरदार स्वागत किया।

प्रधान जोगेन्द्र खट्टर ने सफाई कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने





## जरूरतमंदों की सेवा में जुटे आर्य समाज के कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आर्यसमाज की सर्वोच्च सभा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अंतर्गत आर्यसमाज मंदिरों में प्रतिदिन करीब 80 हजार से

## दयानंद सेवाश्रम संघ ने आदिवासी क्षेत्रों में बांटी खाद्य सामग्री

खबर संवाददाता

गोलाघाट, 10 अप्रैल। राष्ट्र में हर आपदा के समय जनसेवा को तत्पर रहने वाले अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ ने मौजूदा संकट के समय भी पूर्वोत्तर के राज्यों असम व नगालैंड के अंतर्गत बोकाजान, शांतिपुर,सरूपथार,धनशिरी, जापराजान तथा डिमापुर के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हजारों ग्रामीणों और आदिवासी परिवारों को खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है। समूचे भारत के साथ ही पूर्वोत्तर के राज्यों में भी घोषित लॉकडाउन के 17 दिन बीत चुके हैं और इस दौरान खासकर गरीब तथा दिहाड़ी मजदूरी करने वालों के सामने अपने परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो गया है। जिसके मद्देनजर संस्था ने उन्हें खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने का अभियान चलाया है। इस दौरान

## आर्य समाजी परिवार घर में बना रहा मास्क



संदेश न्यूज। कोटा. कोरोना से लोगों को सुरक्षित रखने की पवित्र भावना से आर्य समाज कोटा का एक परिवार घर में

## आर्य समाज का सैनिटाइजेशन अभियान जारी




## आर्य समाज ने कबूतरो के लिए डाला दाना



कोटा 28 अप्रैल। प्राणी मात्र के ... करने के अपने अभियान ... अर्जुन देव चड्ढा ने बताया कि आर्य समाज के युवा कार्यकर्ता किशन आर्य

## गोलाघाट के दयानंद सेवाश्रम संघ ने आदिवासी क्षेत्रों में किया जरूरी खाद्य सामग्री का वितरण

गोलाघाट : अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ द्वारा लॉकडाउन के समय बोकाजान, शांतिपुर, सरूपथार, धनसिरी, जापराजान तथा डिमापुर के साथ ग्रामीण अंचलों में रहने वाले हजार से भी अधिक ग्रामीणों और आदिवासी परिवारों को खाद्य सामग्रियां वितरित कर रही है। जनसेवा के उद्देश्य से दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य, जोगेंद्र



## दिहाड़ी मजदूरों को भोजन के पैकेट वितरित

कोटा। वैश्विक कोरोना महामारी के चलते आवली रोझड़ी,नयागांव मे विनोद सिंह कुशवाह व नवीन नागर ने बताया की राजेंद्र धांगड,कोटा इस्कॉन बेस,सुरेंद्र साहू,संजय गुर्जर,गौरव पालीवाल, कामना कहार,तुलसीराम,ओम एवं आदी समाजसेवीयों के सहयोग से ज़रूरतमन्द दिहाड़ी मजदूरों के लिए लगातार 13 दिन से रोजाना एक समय के 500 भोजन के पेकेट घर वितरित किए जा रहे हैं और यह जनसेवा 15 अप्रेल तक जारी रहेगी! इसमे मुकेश,कमल, गोविंद,माया,राहुल आदि का सहयोग कर रहे हैं!

25/04/2020 4

## आर्य समाज ने किया दैनिक निरीक्षक कार्यालय में सेनिटाइज

– निरीक्षक न्यूज –

कोटा, 24 अप्रैल। आर्य समाज कोटा की पहल पर महर्षि दयानंद सरस्वती सेवा समिति के तत्वाधान में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए चलाए ही प्रिंटिंग मशीन, कम्प्यूटर, प्रिंटर, टेबल-कुर्सियां समेत अन्य जगहों पर जहां-जहां भी बाहर से आने वालों के हाथ लगते हो, वहां सेनिटाइज कर संक्रमण मुक्त के लिए छिड़काव किया।



## आर्यसमाज कोटा ने बन्दरों को केले भूंगड़े तथा गायों को चारा खिलाया



कोटा 10 अप्रैल। आर्यसमाज कोटा द्वारा भूख से व्याकुल बन्दरों को केलें भूंगड़े एवं गायो को चारा खिलाया गया। कोरोना वायरस के चलते जारी लोग डाउन में जहां आम आदमी को भी दिक्कतों का सामना कर रहा है ऐसे अवसर पर निरीह हुए आर्य समाज कोटा की ओर से अर्जुन देव चड्ढा के निर्देशन में आर्य युवा कार्यकर्ता किशन आर्य हरियाणा रामभरोस नागर और नरेंद्र मीणा ने कर्णेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र में जाकर बंदरों को केले एवं भूंगड़े तथा गायों को चारा



## आर्य समाज कोटा ने मजदूर बस्तियों में भोजन के पैकेट बाटे

कोटा, 12 अप्रैल। आर्य समाज कोटा के कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान सुरेश चंद्र आर्य की प्रेरणा से नया गांव स्थित श्रमिक बस्तियों में भोजन पैकेट का वितरण किया गया। आर्य समाज के प्रांतीय प्रचार प्रभारी अर्जुन देव चड्ढा के निर्देशन में आर्य युवा कार्यकर्ता विनोद कुशवाह के सानिध्य में आर्य कार्यकर्ता श्रीमती कामना कहार गौरव पालीवाल तुलसीराम प्रजापति तथा मुकेश वर्मा ने स्वयं भोजन तैयार किया। कार्यकर्ताओं द्वारा तैयार किए गए भोजन के पैकेट विनोद सिंह कुशवाहा के सानिध्य में नया गांव की श्रमिक बस्तियों में वितरित किए गए इस अवसर पर करीब 300 से अधिक घरों तक भोजन पहुंचाया गया।

**आर्य समाज रावतभाटा ने जरूरतमंद परिवारों को उपलब्ध कराई खाद्य सामग्री**–आर्य समाज रावतभाटा द्वारा कोरोना वायरस के चलते जारी लॉक डाउन में समीपस्थ चंद्रपुरिया गांव में जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस बारे में जानकारी देते हुए आर्य समाज के प्रांतीय प्रचार प्रभारी अर्जुन देव चड्ढा ने बताया कि सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान सुरेश चंद आर्य की प्रेरणा से आर्य समाज रावतभाटा के अधिकारी प्रधान नरदेव आर्य,मंत्री ओम प्रकाश आर्य,कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र भाट ने रावतभाटा के समीपस्थ चंद्र पुरिया गांव में जरूरतमंद भूल परिवारों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई।

जननायक
24 अप्रैल, 2020

## गरीबों को पोहे के पैकेट बांटे, विज्ञान नगर में सैनिटाइजेशन किया



गौतम समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन स्थगित

## साध्वी हेमा सरस्वती ने स्वयं मास्क बनाकर वितरण के लिए सौंपे

कोटा, 28 अप्रैल। कोरोना वायरस से आमजन को बचाने के लिए आर्य समाज द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों को देखते हुए साध्वी



IATB A Social Organisation
उदय प्रकाश

'कोरोना' संकट के दौर में सामाजिक संस्था

## ''आस एक प्रयास ट्रस्ट'' द्वारा गरीबों को खाना और राशन की सुविधा मुहैया कराई जा रही है

### किसी की जान बचाने से बड़ा संतोष नहीं हो सकता : डायटीशियन दीपिका ए. भाटिया

## कोरोना संकटकाल में भूखे को अन्न और तपते पावों को छाया देने के लिए आर्य समाज ने कराई सामग्री उपलब्ध

अलवर। कोरोना महामारी संकटकाल में भूखे को अन्न और तपते पावों को छाया देने के लिए आर्य कन्या विद्यालय समिति, श्रीरामजीलाल आर्य कन्या छात्रावास समिति एवं आर्य समाज की ओर से जरूरतमंद लोगों के लिए अलग-अलग समितियों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई है। विद्यालय समिति के प्रधान जगदीश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि डॉ. हरीश गुप्ता,



कुमार सारस्वत को 1... 2 कट्टे गेहूं व 12 ... 700 सेनेटरी नेपकि... इसके अलावा संतोष

## जिले में संस्थाओं के माध्यम से किया जा रहा सेवाकार्य



## असहायों को राहत पहुंचा रहा है आर्य आहार केंद्र




आहार केंद्र पर भोजन वितरित करते डीएसपी. फोटो। प्रभात खबर

## आर्यवीर दल बांट रहा राशन सामग्री

नवज्योति/जोधपुर।

लॉकडाउन के दौरान जरुरतमंदों की मदद के लिए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभी नई दिल्ली के उपमंत्री रामसिंह आर्य तथा हरिसिंह आर्य, अध्यक्ष आर्य वीर दल जोधपुर के सानिध्य में जरुरतमंदों को राशन सामग्री वितरित की जा रही हैं। रसद वितरण सामग्री के संयोजक विनोद गहलोत ने बताया, गत दस दिनों से मेघवाल बस्ती, निंबा निंबड़ी, पेतलाव नाडी, जूनी बस्ती, मगजी बस्ती, बेलदार बस्ती, रायल्टी नाका, अंबाला बेरा, गुलजारपुरा, मिरासी कॉलोनी बनाड़ रोड तथा मंडोर की अन्य बस्तियों में रसद सामग्री के किट वितरित किए। इस दौरान आर्य वीर दल के संचालक उम्मेद सिंह आर्य, अनिल आर्य, बुद्धि प्रकाश गौड़, पृथ्वीसिंह गहलोत, लक्ष्मण सिंह, प्रेम शंकर, महिपाल कछवाह,कनिष्क, दिनेश मेघवाल, अनवर,गजेंद्र, कुलदीप, तनवीर तथा कृतार्थसिंह सहयोग से कर रहे हैं।

जननायक
25 अप्रैल, 2020

## आर्य समाज ने किया हाइपो क्लोराइड का छिड़काव

कोटा, 24 अप्रैल। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए के लिए स्वामी दयानंद सरस्वती सेवा समिति कोटा द्वारा सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिड़काव किया गया।

आर्य समाज के प्रांतीय प्रचार प्रभारी अर्जुन देव चड्ढा के निर्देशन में कार्यकर्ता राकेश चड्ढा, कुंज बिहारी, खंडेलवाल, दिनेश कसेरा, निकुंज अग्रवाल, मदन सिंह रावत, सुरेश शर्मा, मुकेश मेघवाल और सुमित



### पक्षियों के लिए परिंडे बांधे

कोटा, 24 अप्रैल। भीषण गर्मी के इस मौसम में पशु पक्षियों के प्रति अपने

# दिल्ली की आर्य समाजों द्वारा लॉकडाउन के तीनों चरणों में भोजन, राशन वितरण सेवा

## दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की प्रेरणाप्रद कोरोना सेवा योजना

*सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कुशल निर्देशन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की प्रेरणा से वैश्विक महामारी कोरोना से उत्पन्न हुई विषम परिस्थितियों को देखते हुए कोरोना सेवा योजना का संचालन किया गया। जिसमें दिल्ली की समस्त आर्य समाजों का प्रयास अत्यन्त प्रशंसनीय है। कोरोना के इस सेवा यज्ञ में आर्य समाजों द्वारा निर्धन, बेरोजगार, दिहाड़ी मजदूर लोगों को भोजन राशन प्रदान किया गया। कोरोना की लड़ाई में जो अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर संघर्ष कर रहे है उन डॉक्टर, नर्स, सफाई कर्मचारी और पुलिस फोर्स का भी आर्य समाज द्वारा उत्साहवर्धन किया गया। इस संपूर्ण मानव सेवा यज्ञ की प्रेरणा और मार्गदर्शन दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी सहित सभी अधिकारियों ने समय-समय पर सेवा स्थलों पर जा करके स्वयं किया। यहां प्रस्तुत है दिल्ली की आर्य समाजों द्वारा किए गए सेवा कार्यों के कुछ संक्षिप्त वर्णन एवं झलकियां।*

### आर्य समाज सागरपुर ने चलाया भोजन सेवा का अखंड अभियान

आर्य समाज सागरपुर द्वारा लॉकडाउन से पहले ही हजारों निर्धन, बेरोजगार, दिहाड़ी मजदूर लोगों के लिए भोजन सेवा का कार्य आरंभ कर दिया गया था। क्षेत्रीय पुलिस विभाग के निर्देशन में और सहयोग से सोशल डिस्टेंसिग का पूरा ध्यान रखते हुए आर्य समाज में भोजन तैयार किया जाता रहा और उसके पैकेट बनाकर चिन्हित स्थानों पर वितरित किया जाता रहा। मानव सेवा का यह अखंड अभियान लगातार 40 दिनों तक चलता रहा और अभी भी आर्य समाज सागरपुर मानव सेवा के लिए तत्पर है। इस महान सेवा में आर्य समाज सागरपुर की प्रधान श्रीमती विद्यावती आर्या जी और समस्त अधिकारी, कार्यकर्त्ता,सदस्य और सहयोगी बधाई के पात्र हैं।

### आर्य समाज विकासनगर में स्थापित किया सेवा का नया कीर्तिमान

आर्य समाज विकास नगर ने कोरोना महामारी के इस कठिन दौर में मानव सेवा का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस समाज द्वारा प्रतिदिन भोजन के पैकेट बनाकर अलग-अलग स्थानों पर बेबस और मजदूर लोगों को प्रदान किए गए। जिनमें कमाण्डर चौक, त्यागी मार्किट और शिव विहार की जे.जे.कॉलोनी सहित शाहाबाद मोहम्मदपुर और मायापुरी आर्य समाजों के अन्तर्गत निर्धन बस्तियों में भूखे लोगों तक पैकेट पहुंचाए गए। सेवा के इस महान कीर्ति स्तम्भ में दिल्ली सभा के मंत्री श्री सुखवीर सिंह आर्य और आर्य समाज विकास नगर के प्रधान एवं मंत्री तथा कार्यकर्त्ता और सदस्य बधाई के पात्र हैं।

### आर्य समाज डी-ब्लाक, विकासपुरी द्वारा सेवा का विस्तार

आर्य समाज डी-ब्लाक, विकासपुरी द्वारा संचालित सेवा-साधना के कार्य अपने आपमें एक अनुपम उदाहरण हैं। कोरोना महामारी के समय आर्य समाज डी-ब्लाक विकासपुरी के प्रधान श्री हरीश कालरा जी ने अपने समस्त अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं और सदस्यों के साथ मिलकर मानव सेवा का विस्तार करते हुए जहां एक ओर भोजन वितरण का कार्य किया वहीं आसपास की निर्धन बस्तियों में जा-जा कर राशन वितरण का कार्य भी किया। जिसके परिणामस्वरूप आर्य समाज के प्रति काफी हद तक लोगों में लगाव और निष्ठा पैदा हुई। इसके लिए आर्य समाज डी-ब्लाक, विकासपुरी के समस्त अधिकारी और कार्यकर्त्ता बधाई के पात्र हैं।

### आर्य समाज प्रीत विहार द्वारा बड़ी मात्रा में बांटी गई राशन सामग्री

दिल्ली की आर्य समाजों में प्रीत विहार एक ऐसा आदर्श आर्य समाज है जहां गरीब, निर्धन लोगों के लिए प्रतिदिन ऋषि लंगर चलाया जाता है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के समय में आर्य समाज प्रीत विहार द्वारा गरीब, निर्धन लोगों को बड़ी मात्रा में राशन सामग्री वितरित की गई। यह सेवा कार्य कई चरणों में लगातार चलता रहा। जिससे हजारों लोगों को भोजन लाभ प्राप्त हुआ। इस अनुपम सेवा कार्य के लिए वहां के प्रधान श्री सुरेंद्र रैली जी और समस्त अधिकारी, कार्यकर्त्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

### आर्य समाज आउटर रिंग रोड़, विकासपुरी द्वारा जरूरतमंद लोगों को मिला भोजन का सहारा

आर्य समाज आउटर रिंग रोड़, विकासपुरी हमेशा से ऋषि लंगर चलाकर निर्धन लोगों तक भोजन पहुंचाता रहा है। कोरोना महामारी के कठिन वक्त में निर्धन लोगों के सामने भोजन की समस्या उत्पन्न हुई तब आर्य समाज आउटर रिंग रोड़, विकासपुरी पीछे कैसे रहता? आर्य समाज के प्रधान श्री वेद प्रकाश आर्य जी ने अपने समस्त अधिकारियों तथा कार्यकर्त्ताओं के साथ निर्धन मजदूर लोगों के लिए भोजन सहायता का कार्य पूरी निष्ठा के साथ संचालित किया। हजारों लोगों तक भोजन के पैकेट बना-बना कर पहुंचाए गए। बीच-बीच में दिल्ली सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी और प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने भी प्रेरणा प्रदान कर उत्साहवर्धन किया और इस महान सेवा कार्य के लिए वहां सबको बधाई दी।

### आर्य समाज कीर्ति नगर द्वारा चलाया गया भोजन सेवा का प्रकल्प

आर्य समाज कीर्ति नगर द्वारा संचालित सेवा के प्रकल्प अपने आपमें अत्यत्त महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन जब कोरोना महामारी के कारण निर्धन, मजदूर लोगों के सामने भूख की समस्या खड़ी हुई तो आर्य समाज कीर्ति नगर ने भोजन सामग्री वितरण तथा भोजन के पैकेट बांटने का सेवा प्रकल्प चलाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आर्य समाज के मन्त्री श्री सतीश चड्डा जी और वहां के सभी सम्मानित अधिकारियों ने पूरा सहयोग दिया। इस कार्य के लिए सभी महानुभावों को बहुत-बहुत बधाई।

### मानवता की सेवा के लिए आगे आया आर्यवीर दल दिल्ली प्रदेश

आर्य समाज का युवा संगठन आर्यवीर दल सदैव मानव सेवा के लिए समर्पित भूमिका निभाता आया है। कोरोना महामारी के समय आर्यवीर दल दिल्ली प्रदेश द्वारा दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में भोजन सामग्री तथा भोजन के पैकेट उन तमाम लोगों तक पहुंचाए गए जहां खाने-पीने का पूरी तरह से अभाव था। लोग भोजन के लिए तरस रहे थे। उन क्षेत्रों में मधु विहार, बिंदापुर, महावीर एन्कलेव, पूर्वी दिल्ली आदि अनेक स्थानों पर आर्य वीरों ने लगातार भोजन सेवा का कार्य किया। जिसके परिणामस्वरूप हजारों लोगों को भोजन लाभ प्राप्त हुआ। आर्य वीरों को बधाई।

### आर्य समाज रानी बाग द्वारा कोरोना पीड़ितों की प्रशंसनीय सेवा

आर्य समाज रानी बाग द्वारा कोरोना पीड़ितों की सेवा के लिए भोजन सामग्री तथा भोजन के पैकेट कई बार वितरित किए गए। इस कार्य में आर्य समाज के मन्त्री श्री जोगेंद्र खट्टर जी और उनकी पूरी टीम समर्पित भाव से अग्रणी भूमिका निभाती रही। श्री जोगेंद्र खट्टर जी के नेतृत्व में वहां के सभी अधिकारी, कार्यकर्त्ताओं ने कोरोना योद्धाओं, सफाई कर्मचारियों, डॉक्टरों, नर्सों और पुलिस वालों का स्वागत सम्मान किया। इसके लिए सभी अधिकारियों का बहुत-बहुत अभिनन्दन।

### आर्य समाज डोरीवालान में चलाया ऋषि लंगर

आर्य समाज डोरीवालान के प्रधान श्री वागीश आर्य जी के नेतृत्व में सैंकड़ों गरीब लोगों को नाश्ता, दोपहर और रात्रि का भोजन ऋषि लंगर के रूप में खिलाया गया। इसके लिए सभी अधिकारी, कार्यकर्त्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

*- शेष पृष्ठ 5 पर*

### आर्य समाज शाहाबाद मोहम्मदपुर द्वारा भोजन पैकेट वितरण

आर्य समाज सागरपुर एवं आर्य समाज विकासनगर द्वारा प्रतिदिन बनाए जाने वाले भोजन पैकेटों में से आर्य समाज शाहाबाद मोहम्मदपुर द्वारा वहां के निर्धन लोगों में लगातार वितरित किए गए। इस महत्वपूर्ण कार्य में डॉ. मुकेश आर्य जी और उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई।

### आर्य समाज आदर्श नगर ने निभाया मानव सेवा का कर्त्तव्य

आर्य समाज आदर्श नगर हमेशा मानव सेवा के लिए तत्पर पर रहा है। इसी भावना और कामना को साकार करते हुए कोरोना पीड़ितों की तन-मन-धन से सेवा करते हुए वहां के प्रधान/मंत्री सहित समस्त अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं ने हजारों लोगों तक भोजन सामग्री तथा भोजन के पैकेट पहुंचाए। मानव सेवा के प्रति इस कर्त्तव्यनिष्ठा को बहुत-बहुत बधाई।

### आर्य समाज दुर्गापुरी विस्तार ने बांटी गरीबों को राहत सामग्री

आर्य समाज दुर्गापुरी विस्तार के प्रधान श्री प्रीतम सिंह जी प्रियतम के निर्देशन में स्थानीय गरीब परिवारों में सैंकड़ों लोगों को राशन एवं भोज्य सामग्री के पैकेट वितरित किए गए। यह अपने आपमें सेवा का अद्भुत प्रयास सिद्ध हुआ। इस के लिए आर्य समाज के अधिकारियों एवं कार्यकर्त्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

### आर्य समाज गोविंदपुरी ने किया राशन वितरण

वैश्विक महामारी कोरोना एक बहुत बड़ी आपदा बनकर सामने खड़ी है। इस भयानक स्थिति में सेवा का संबल ही मानवता की रक्षा करता है। आर्य समाज गोविंदपुरी में हजारों लोगों तक राशन सामग्री पहुंचाकर सेवा का अद्भुत आदर्श प्रस्तुत किया है। इसके लिए सभी अधिकारी, कार्यकर्त्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

### आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट-1 द्वारा गरीबों में फल वितरण

आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट-1 अपनी मानव सेवा के लिए चहुं और प्रसिद्धि प्राप्त संस्था है। कोरोना महामारी के समय में जहां दिल्ली की लगभग सभी समाजों द्वारा अन्न वितरित किया जा रहा था वहीं इस आर्य समाज के अधिकारियों द्वारा फल वितरित किए गए। फल वितरण का यह कार्यक्रम श्री राजीव चौधरी जी, मन्त्री के कुशल निर्देशन में समय-समय पर कई बार आयोजित किया गया। जिससे हजारों की संख्या में लोग लाभन्वित हुए। इसके लिए सभी अधिकारी, कार्यकर्त्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

### आर्य समाज नौरोजी नगर द्वारा की गई मानव सेवा

भूख जब हद से ज्यादा बढ़ जाती है तो व्यक्ति के प्राणों पर संकट आ जाता है। ऐसी स्थिति में भोजन सामग्री दान करने का मतलब है किसी को जीवन देना। आर्य समाज नौरोबी नगर के अधिकारियों ने भोजन सामग्री वितरित करके गरीबों की जो सेवा की है इसके लिए वहां के सभी अधिकारी, कार्यकर्त्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

### आर्य समाज रामपुरा द्वारा राशन वितरण

कोरोना महामारी को लेकर पीड़ित मजदूरों, निर्धनों की सेवा के लिए दिल्ली का हर एक आर्य समाज अपने-अपने स्तर पर मानव सेवा के लिए आगे आया। इस क्रम में आर्य समाज रामपुरा द्वारा राशन वितरण का प्रशंसनीय कार्य किया गया। इसके लिए सभी अधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई।

### आर्य समाज डिफेंस कॉलोनी द्वारा की गई मानव सेवा

जब तक कोरोना का युद्ध हम नहीं जीतेंगे तब तक सेवा सरिता इसी तरह से बहती रहेगी। इसी भावना और कामना को साकार करते हुए आर्य समाज डिफेंस कॉलोनी के सभी अधिकारियों ने गरीब लोगों तक राशन पहुंचाकर मुश्किल घड़ी में उनकी सहायता की। इसके लिए सभी अधिकारी, कार्यकर्त्ताओं को बधाई।

### आर्य समाज जहांगीरपुरी ने बढ़ाए सेवा के हाथ

जहांगीरपुरी क्षेत्र में स्थित जगजीवन राम हस्तपताल कोरोना को लेकर बहुत चर्चित रहा है। इस क्षेत्र में बहुत से निर्धन मजदूर लोग भोजन को लेकर पीड़ित थे। आर्य समाज जहांगीरपुरी ने अपना कर्त्तव्य निभाते हुए हजारों लोगों तक भोजन सामग्री पहुंचाई। इसके लिए सभी आर्य महानुभावों तथा अधिकारियों का धन्यवाद।

### आर्य समाज रोहिणी द्वारा हजारों लोगों को प्राप्त हुई राशन सामग्री

आर्य समाज रोहिणी के अधिकारी, कार्यकर्त्ता और सदस्यों ने सैंकड़ों पीड़ित परिवारों को भोजन सामग्री पहुंचाने का अनुपम कार्य किया। इस कार्य में वहां के समस्त अधिकारी, कार्यकर्त्ता और सदस्यों को बधाई।

### उत्तरी-पश्चिमी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल ने सैंकड़ों घरों में पहुंचाया राशन

उत्तरी-पश्चिमी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल द्वारा भलस्वा डेरी बाईपास क्षेत्र की निर्धन बस्तियों में घर-घर जाकर राशन वितरण किया गया। हजारों की संख्या में लोगों को भोजन सामग्री प्रदान की गई। इसके लिए सभी अधिकारी, कार्यकर्त्ताओं को बहुत-बहुत धन्यवाद।

### आर्य समाज द्वारका सैक्टर-1 द्वारा किया गया भोजन वितरित

दिल्ली में द्वारका एक समृद्ध नगरी है लेकिन उसके आसपास गरीब लोग भी रहते हैं। कोरोना महामारी के समय में दिहाड़ी मजदूर और निर्धन लोगों को आर्य समाज द्वारका सैक्टर-1 के द्वारा भोजन वितरित किया गया। यह अपने आपमें सेवा का अद्भुत कार्य है। इसके लिए वहां के समस्त अधिकारी महानुभावों का धन्यवाद।

### आर्य समाज सूरजमल विहार द्वारा हजारों लोगों को भोजन वितरण

सूरजमल विहार आर्य समाज मानव सेवा के लिए सदैव अग्रणी भूमिका निभाता आया है। कोरोना से प्रभावित हजारों की संख्या में निर्धन, गरीब मजदूरों को आर्य समाज सुरजमल विहार द्वारा भोजन पैकेट और सामग्री वितरित की गई। इसके लिए वहां के प्रधान, मंत्री और समस्त अधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई।

### आर्य समाज मायापुरी द्वारा गरीबों को पहुंचाई गई राहत सामग्री

आर्य समाज मायापुरी के प्रधान श्री रजनीश वर्मा जी के निर्देशन में वहां की झुग्गी-बस्तियों में हजारों लोगों को भोजन के पैकेट वितरित किए गए। यह अपने आपमें सेवा का अद्भुत प्रयास सिद्ध हुआ। इसके लिए श्री रजनीश वर्मा जी सहित सभी अधिकारी, कार्यकर्त्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

**दिल्ली के अलावा अन्य शहरों, प्रदेशों में किए गए सेवा कार्यों का विवरण आगामी अंकों में प्रकाशित किया जाएगा। - सम्पादक**

# कोरोना काल में साधुओं की हत्या एवं हत्या के प्रयास घटना नहीं कलंक हैं

*.....जहाँ अक्सर छोटे बच्चे हिंसा से डरकर इधर-उधर छिप जाते हैं लेकिन यहाँ बच्चें भी शामिल होते हैं। हमलावर भीड़ में हर किसी के सिर पर खून सवार है और वे जितना उन्हें पीटते हैं उनका गुस्सा उतना ही बढ़ता जाता है। यहाँ तक कि संन्यासियों और ड्राइवर को पीट-पीट कर मार देने के बावजूद उनके सिर से खून नहीं उतरता। बताया जा रहा है उनकी आँखे तक निकाल ली गयी। लेकिन गुस्सा बरकरार रहता है और खड़ी सफेद रंग की एक गाड़ी को भी पत्थर मार मारकर तोड़ देते है।.....*

महाराष्ट्र के पालघर में वहां की पुलिस की मौजूदगी में संतों की हत्या, इसके बाद यू.पी. के बुलन्द शहर में दो साधुओं की निर्मम हत्या एवं अलीगढ़ के इगलास के गोंडा ब्लाक में आर्य कन्या गुरुकुल को संचालित करने वाले स्वामी चेतनदेव पर जानलेवा हमला - ये तमाम घटनाएं नहीं मानवता के नाम पर एक कलंक हैं। आर्यसमाज इन समस्त अपराधों और अपाधियों की घोर निन्दा करता है, इसके साथ आर्यसमाज मांग करता है कि स्वामी चेतनदेव जी पर हमला करने वालों को गिरफतार किया जाए। पालघर मामले पर सोशल मीडिया में कई सवाल पूछे जा रहे हैं। आखिर लॉकडाउन में 300 लोगों की भीड़ कैसे इकट्ठा हुई थी? पुलिस संतों के बचाने के बजाय क्यों भाग रही थी? पुलिस ने संतों को बचाने के लिए हवाई फायरिंग क्यों नहीं की? ये भी कहा जा रहा है कि आदिवासी कभी भी संत पर हमला नहीं करते, लेकिन सवाल ये भी है कि दोनों संतों को बचाने के लिए किसी ने बीच बचाव करने की कोशिश क्यों नहीं की?

वीडियो देखकर किसी के भी मन में ऐसे सवाल उतना लाजिमी है जैसे घटना किसी सोची समझी साजिश के तहत हो। जिसमें दो निरपराध संन्यासियों को खुद राज्य के रक्षक पुलिस बल ही भूखे भेडियों के झुण्ड में फैंक देते हैं? और जिस तरह हमलावर लोग संन्यासियों को पहले सड़क के बीच से खदेड़ते हुए, पीटते हुए लाते हैं, पूरे हंगामे में संन्यासी सिर पर हाथ रखकर मार खाते रहते है, दया की भीख मांगते रहते हैं। जैसे शिकारी कुत्तों के बीच घिरा हुआ कोई मेमना हो। लेकिन हत्यारी भीड़ से कोई एक आवाज सामने नहीं आती, कोई यह नहीं कहता कि अरे ये गलत है!

जहाँ अक्सर छोटे बच्चे हिंसा से डरकर इधर-उधर छिप जाते है लेकिन यहाँ बच्चें भी शामिल होते हैं। हमलावर भीड़ में हर किसी के सिर पर खून सवार है और वे जितना उन्हें पीटते हैं उनका गुस्सा उतना ही बढ़ता जाता है। यहाँ तक कि संन्यासियों और ड्राइवर को पीट-पीट कर मार देने के बावजूद उनके सिर से खून नहीं उतरता। बताया जा रहा है उनकी आँखें तक निकाल ली गयी। लेकिन गुस्सा बरकरार रहता है और खड़ी सफेद रंग की एक गाड़ी को भी पत्थर मार मारकर तोड़ देते हैं।

कहाँ से पैदा हुई ये नफरत? कौन इस नफरत की सप्लाई कर रहा है? इस ओर किसी का ध्यान नहीं है बेशक समाज और दुनिया जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है आधुनिकता से लोग जुड़ते जा रहे है। लेकिन इस घटना को देखकर लगता है मानों मध्यकाल का कोई जिरगा पंचायत का फरमान हो।

जब हम खून से लथपथ हुए एक साधु को पुलिस वाले का हाथ पकड़कर जाते हुए या फिर भयाक्रांत हो उनका कन्धा थामने की कोशिश करते देखते हैं तो यकीन मानिए उस समय पूरी मानवता एक साथ शर्मसार होती है। तुरंत प्रश्न उठता है कि क्या इससे भी बुरी कोई तस्वीर कभी देखी है हमने?

हिंसा का वीडियो जिसने भी देखा उसने पहला सवाल यही किया कि पास खड़े पुलिस के जवान बेबस क्यों दिखाई दे रहे है? एक दो नहीं बल्कि पूरे पन्द्रह जवान वहां तैनात थे, किसलिए तैनात थे - जुर्म रोकने के लिए या जुर्म करवाने के लिए - कि आप लोग जो कर सकते हैं कर लीजिये। कोई भी बाधा आपकी हिंसा में पैदा नहीं होने देंगे? कहा जा रहा है कि पुलिस वाले डर गये थे ये लोजिक समझ से बाहर है। अगर कल पाकिस्तान सीमा हमला हो जाये और आर्मी के जवान इधर उधर छिप जाये कि हमें तो डर लग रहा है तो इसे क्या कहेंगे?

कुछ लोग कह रहे हैं कि संन्यासी खुद सिपाही का बाजू पकड़कर बाहर आया लेकिन वीडियो में देखिये वो आ नही रहा, बल्कि लाया गया। क्योंकि उसे पीछे से भी लात मारी जा रही है। क्या इससे साफ नहीं हो जाता कि भूखे दरिंदों के झुण्ड में वयोवद्ध संन्यासी को फेंका गया कि लो नोच लो इसकी बोटी-बोटी?

एक पल को मान लीजिये कि वहां के लोग रात में चोरी के डर से पहरा देते हैं लेकिन इसका अर्थ यह तो नहीं कि वहां से गुजरने वाला हर कोई चोर है और उस गाँव के लोग न्यायपालिका? मान भी लिया जाये संदेह में हिंसा हो सकती है और यह भी मान लो कि उन्हें भी संदेह हुआ कि ये चोर है लेकिन जब पुलिस आ गयी तो फिर संदेह का आधार क्या बचता है? लेकिन फिर भी संदेह बरकरार रहा और हिंसा तब तक जारी रही जब तक उनके प्राण नहीं निकल गये।

इस निर्मम हत्या के पीछे भाजपा ने वामपंथी विचारधारा को जिम्मेदार बताया है। आरएसएस के प्रचारक रहे सुनील देवघर ने ट्विटर के माध्यम से वामदलों पर हमलावर होते हुए कहा कि आदिवासी कभी भगवाधारी पर हमला नहीं कर सकते। वर्षों से वामपंथियों का गढ़ रहे इस दहानू क्षेत्र का एमएलए भी सीपीएम-एनसीपी गठबंधन का है। जिस क्षेत्र में लिंचिंग हुई, वह ईसाई मिशनरी गतिविधि ा का केंद्र है, जिन पर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए आदिवासियों को भड़काने का आरोप है। ईसाई मिशनरियों द्वारा प्रभावित इस क्षेत्र में वर्षों से भारी मात्रा में धर्मान्तरण हुए हैं। वे लगातार लोगों में हिन्दू देवी-देवताओं और साधु-संतों के खिलाफ जहर भरने में लगे रहते हैं।

साजिश किसकी है यह अभी जाँच का विषय है, कोई फैसला अभी नही सुनाया जा सकता। लेकिन जिस तरह नव वामपंथ और मिशनरी छद्म ईसाई गठजोड़ से आदिवासी इलाकों में नफरत का कारोबार बढ़ रहा है इससे आगे भी किसी घटना से इंकार नही किया जा सकता। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, झारखण्ड कई आदिवासी क्षेत्रों में रेडिकलाईजेशन करना चालू है और उसी क्षेत्र में ईसाई मिशनरी सबसे अधिक सक्रिय होते जहाँ अशिक्षा और गरीबी हैं। दोनों साधुओं के भगवा वेश के प्रति ऐसी घृणा ईसाई मिशनरी प्रचार और हिंसा का अभ्यास नक्सली प्रभाव से संभव संपन्न दिख रहा है। भले ही भारत भूमि को साधु-संतों की भूमि कहा जाता है। साधु-संत भी अपना एक अलग जीवन जीते हैं। इनकी एक अलग दुनिया है चाहें वह किसी अखाड़े या समुदाय से जुड़ें हों। कल्पवृक्ष गिरी और सुशील गिरी भी जूना अखाड़े से जुड़े थे।

जो भी हुआ पालघर मामले ने हमें एक बार फिर ये सिखाया है कि भीड़ का कोई ार्म नहीं होता, न हिंसा कोई धर्म मानती है। अफवाहों के कारोबारी बड़ी चालाकी से लोगों के बीच नफरत का जहर फैलाते हैं और वो जहर इस तरह की भयानक घटनाओं के रूप में बाहर निकलता है। इस जहर को काटने का एक ही तरीका है कि समाज में कानून का राज कायम होने दें, जो धर्म, जाति की सीमाओं के परे जाकर सबके लिए समान रहे। तभी हम खुद को बचा पाएंगे। - ***सम्पादक***

**Continue From Last issue**

## Maharish Dayanand Saraswati's Beliefs

10. The creation points to its Creator; and He is no other than the aforesaid Deity; for, the display of design in the structure of the universe, and the inability of matter to form, say, the seed, and the like preliminaries of existence conclusively demostrate the certainty of the existence of a creator.

11. The phenomenon of birth and death. like all other things, is not without a final cause. That cause in Sanskrit is calJed "bond" a trapdoor, so to speak, in the march -of mind, It springs from ignorance, which consists in the perpetuation of vicious acts, the worship of objects in place .of God, and the obscurity of the intellect. As they are all 'the various sources of pain, which nobody likes, but which everybody is constrained to suffer, their cause is called "bond" or captivity.

12. Salvation is the state of emancipation from the endurance of pain, and subjection to birth and death, and of the life of liberty and happiness in the immensity of God. After the cyclic enjoyment of the stupendous universe, the soul resumes the course of the native activity.

13. The means of salvation are the contemplation of God, the abstraction of mind, the practice of virtue, the 'vow of celibacy *Brahmacharya* the company of sage .and philosophers, the love of knowledge, the purity of thought, the firmness of courage, and the like qualifica- tions, which are the ornaments of humanity.

14. Wealth is a thing earned with honesty and justice. fIts opposite is the Mammon of unrighteousness.

15. Innocent pleasures are got by virtue and well- .earned wealth.

16. The system of caste should be based on the merits -of individuals.

17. The excellence of royalty is derived from the :honesty of intentions, the superierity of qualities, the justness of acts, freedom from partiality, the maintenance of justice, the ardour of paternal affection for subjects, and the perseverance in studying their ease and improvement.

18. The loyalty of subjects is known in the sublimity of thoughts, the excellence of accomplishments, the practice of virtue, the sincerity of intentions, the absence of prejudice, the obedience of the laws of justice, the sense of duty the readiness of devotion to the cause of the rulers and the fellow-subjects, love for government, hatred for intrigues. and the abhorrence of licentiousness.

19. That person is just, who, on due consideration of things, adopts truth and relinquishes falsehood, protects the just and expels the unjust, sympathises with all, joins in undertakings for the promotion of ease and comfort of the general public.

20. The learned are called devas (gods), the ignorant asuras (devils), the vicious rakshasas (fiends), and the hypocrites pishachas (monsters).

21. The worship of God consists in the respect and service of learned and virtuous men, parents, sages, philosophers, preachers and kings ; in the fidelity of marriage, contract ; and in the devotion of women to their husbands. The contrary acts constitute the worship of the demons. All worship is due to their living images, and not to the useless idols of lifeless stone.

***To be continued.....***

***With thanks By:***
***"Flash of Truth"***

प्रथम पृष्ठ का शेष

## कोरोना काल में दिल्ली सभा द्वारा किए गए सेवा कार्य....

रखते हुए दिल्ली सभा ने अपने समस्त आर्य समाजों को निर्देश दिया था कि आर्य समाजों में केवल पुरोहित और सेवक ही यज्ञ करें। और अन्य सभी अन्य महानुभाव अपने-अपने घरों में यज्ञ करें। इस बात को सभी आर्यसमाजों के अधिकारियों ने स्वीकार किया। जिसके लिए सभी आर्य समाज के अधिकारियों का धन्यवाद।

### यज्ञ सामग्री समिधा सेवा

लॉकडाउन के चलते आर्य समाज में आयोजित नियमित यज्ञ करने हेतु सामग्री समिधा और घी की आवश्यकता अनिवार्य होती है। इस संकट की घड़ी में जब कोई कहीं आ जा नहीं सकता तो फिर सामग्री, समिधा कहां से और कैसे प्राप्त हो पाती? दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ने सभी आर्य समाजों में यज्ञ सामग्री और समिधा पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी रखा। जिससे आर्य समाज की गतिविधियां लगातार नियमपूर्वक चलती रही।

### ताली-थाली और द्वीप प्रज्ज्वलन के आयोजन में सहभागिता

कोरोना युद्ध के परमवीर डॉक्टरों, नर्सों, पुलिस फोर्स और सफाई कर्मचारियों के सम्मान में प्रधानमंत्री द्वारा की गई अपील का समर्थन करते हुए उनके उत्साहवर्धन में सभी आर्य समाजों ने **22 मार्च को ताली-थाली** तथा **5 अप्रैल को द्वीप प्रज्ज्वलन** करके अपनी सहभागिता का परिचय दिया। आर्य समाज की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में डॉक्टरों और पुलिस कर्मियों तथा सफाई कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया।

### दैनिक एवं साप्ताहिक यज्ञ एवं सत्संगों का आयोजन

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा जूम एप्प के माध्यम से आर्य सन्देश टी.वी. चैनल पर लाइव दैनिक एवं साप्ताहिक यज्ञ एवं सत्संग का आयोजन किया गया। क्योंकि आर्य समाज की गतिविधियों में दैनिक और साप्ताहिक यज्ञ एवं सत्संग अनिवार्य होते हैं। लेकिन कोरोना काल में जब कोई भी आर्य समाज के अधिकारी, कार्यकर्त्ता, सदस्य एकत्रित होकर सत्संग करने में असमर्थ हो गए तो सभा ने यह निश्चय किया कि हम आधुनिक तकनीक के माध्यम से अपने यज्ञ और वैदिक सत्संग से अवश्य जुड़े रहे। दिल्ली की अधिकतर आर्य समाजों ने आर्य सन्देश टी.वी. चैनल पर लाइव दैनिक व साप्ताहिक सत्संगों को अपनाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके लिए सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार।

### जूम पर प्रतिदिन मीटिंग एक रचनात्मक कार्य

आर्य समाज एक विश्व व्यापी संगठन है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से हमें हर स्थिति, हर काल में एक साथ जुड़े रहना अत्यंत आवश्यक है। इस कोरोना काल में प्रतिदिन आर्य नेताओं एवं आर्य कार्यकर्त्ताओं की एक मीडिंग जूम एप्प के माध्यम से आयोजित की गई। जिसमें प्रतिदिन की गतिविधियों की समीक्षा, आगे की सेवा योजना को लेकर निर्णय और हर तरह की मानव सेवा को लेकर भावी योजनाओं पर विचार मंथन किया जाता रहा। जिसके परिणामस्वरूप पूरे भारत में और विदेशों में भी आर्य समाज निरंतर सेवा की सुगन्ध फैलाता रहा।

### महाशय धर्मपाल आर्य मीडिया सैंटर का योगदान

वैश्विक महामारी कोरोना के भय और आतंक से जब पूरी दुनिया अपने घर में बैठने को मजबूर हो गई थी तब भी मीडिया निर्वहन करते हुए आर्य समाज के इलैक्ट्रानिक मीडिया स्तंभ के रूप में महाशय धर्मपाल आर्य मीडिया सैंटर के कार्यकर्त्ताओं ने अपनी सुझबूझ और सेवाभाव से अत्यंत प्रशंसनीय योगदान दिया। जगह-जगह जाकर आर्य समाज द्वारा की गई सेवाओं को कवर किया और आर्य सन्देश टी.वी. चैनल के माध्यम से समाचार प्रस्तुत करने का कार्य अनवरत चलता रहा। इस महान कार्य में श्री अश्विनी आर्य, श्री अमित शर्मा, श्री राजीव चौधरी, श्री अशोक कुमार और मीडिया सैंटर की पूरी टीम बधाई की पात्र है। सभी को बहुत-बहुत बधाई।

### विशेष सहायता राशि का वितरण

यह सर्वविदित है कि कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन के कारण आर्य समाज के पुरोहित, सेवक, भजनोपदशेक, संन्यासीवृद्ध, गुरुकुल के आचार्य, आचार्याएं, आर्यवीर दल/आर्य वीरांगना दल के व्यायाम शिक्षक और शिक्षकाओं के सामने भी एक आर्थिक संकट खड़ा हो गया था। क्योंकि हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरतें तो अवश्य ही होती हैं। फिर चाहे लॉकडाउन की स्थिति ही क्यों न हो। इस कोरोना काल की समस्या को महसूस करते हुए दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ने उपरोक्त आर्य समाज की समस्त इकाईयों में सेवारत्त 600 से अधिक महानुभावों को अविलंब एक सम्मानित सहयोग राशि प्रदान की। जिसके परिणामस्वरूप सभी महानुभाव अपने-अपने क्षेत्र में सन्तुष्टि के साथ सेवा कार्य करते रहे।

### कार्यकर्त्ताओं को दिया अवकाश सहित पूरा वेतन

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्गत आज लगभग 70 कार्यकर्त्तागण सेवारत्त हैं। सभा ने अपने समस्त कार्यकत्ताओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लॉकडाउन से पूर्व ही सबको सहर्ष अवकाश देकर अपने-अपने घरों में कुशलतापूर्वक रहने के लिए आदेश पारित कर दिया था। इस दौरान सभी कार्यकर्त्ताओं को दो मास का पूरा वेतन (सहयोग राशि) सभा द्वारा प्रदान की गई। यह अपने आपमें सभा अधिकारियों की संवेदनशीलता और उदारता का अनुपम उदाहरण है।

**नोट : कोटा में किए सेवा कार्यों का विवरण आगामी अकों में प्रकाशित किया जाएगा - सम्पादक**

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ

**सत्यार्थ प्रकाश**

सत्य के प्रचारार्थ

| | | | |
|---|---|---|---|
| ● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16 | मुद्रित मूल्य 50 रु. | प्रचारार्थ 30 रु. | प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं |
| ● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16 | मुद्रित मूल्य 80 रु. | प्रचारार्थ 50 रु. | |
| ● स्यूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8 | मुद्रित मूल्य 150 रु. | | प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन |

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन

कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650522778
E-mail : aspt.india@gmail.com


## शोक समाचार

### श्री सतपाल भरारा का निधन

आर्यसमाज कीर्ति नगर के वरिष्ठ सदस्य, आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली सभा के संरक्षक, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के विशेष आमन्त्रित सदस्य श्री सतपाल भरारा का दिनांक 20 मई, 2020 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया या।

### श्री नरेन्द्र आर्य का निधन

आर्यसमाज बिरला लाइन्स कमला नगर के मन्त्री एवं अन्य अनेक संस्थानों के पदाधिकारी श्री नरेन्द्र आर्य जी का दिनांक 17 मई, 2020 रविवार को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ निगम बोध घाट पर सम्पन्न हुआ।

### माता स्वर्णा गुप्ता का निधन

स्त्री आर्यसमाज बिरला लाइन्स कमला नगर की उप प्रधाना श्रीमती स्वर्णा गुप्ता जी का दिनांक 19 मई, 2020 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया या।

### श्री ओमपाल यादव जी को पितृशोक

आर्यसमाज झिलमिल कालोनी के उप प्रधान श्री ओम पाल यादव जी के पूज्य पिता श्री दंगल सिंह जी का 15 मई, 2020 को लगभग 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया या।

### श्री शान्तिलाल सहगल जी का निधन

आर्यसमाज दिलशाद गार्डन के आरम्भिक सदस्य एवं पूर्व अधिकारी श्री शान्ति लाल सहगल जी का 94 वर्ष की आयु में 19 मई को गुरुग्राम में निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया या।

**दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक**

# साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 18 मई, 2020 से रविवार 24 मई, 2020

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 21-22 मई, 2020

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 20 मई, 2020


## सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर

## आर्यसमाज कोरोना आपदा कोष में आहुति देने वाले महानुभावों की सूची

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| गतांक से आगे | | 109. श्री अनिल वर्मा | 1000 | 113. श्री अशोक सहदेव | 21000 |
| 106. श्रीमती नन्हीं | 1000 | 110. श्री अरुण प्रकाश गुप्ता | 2100 | 114. श्री राजकुमार आर्य | 100 |
| 107. श्री अभिषेक | 51 | 111. श्री राकेन्द्र | 1000 | 115. श्री सुरेश कुमार चोपड़ा | 500 |
| 108. श्री सचिन कुमार | 1100 | 112. श्री सतीश कुमार अहलावत | 2100 | | |

– क्रमश:

सार्वदेशिक सभा के आह्वान पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा समस्त अर्यसमाजों, शिक्षण संस्थानों, गुरुकुलों, विद्यालयों, व्यापारिक संस्थानों, दानी महानुभावों, आर्यसन्देश साप्ताहिक पाठकवृन्दों तथा जन समान्य से अधिकाधिक सहयोग प्रदान करने की अपील करती है, ताकि देश आए इस विपत्ति काल कोरोना वायरस से फैले संक्रमण के समय देश मे लागू लॉक डाउन से प्रभावित गरीबों, निर्धनों, असहाय, दैनिक दिहाडी मजदूरों, प्रवासी नागरिक मजूदरों के भोजन, राशन, पानी तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। कृपया अपनी दान राशि नकद/चैक/बैक ड्राफ्ट के माध्यम से **'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा'** के नाम **15 हनुमान रोड, नई दिल्ली**-110001 के पते पर भेजें।

**आप अपना आर्थिक सहयोग सीधे सभा के बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं -**

**Delhi Arya Pratinidhi Sabha**

**A/c No. 910010001816166 IFSC Code : UTIB0000223**

**Axis Bank Karol Bagh, New Delhi**

कृपया अपनी सहयोग राशि जमा करते ही श्री अशोक कुमार जी को मोबाइल नंबर 9540040322 पर सूचित करें ताकि आपको आपके दिए गए सहयोग रसीद यथाशीघ्र भेजी जा सके।

**दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया समस्त दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर मुक्त है। - *महामन्त्री***

*प्रतिष्ठा में,*

पृष्ठ 2 का शेष

ईश्वर की व्यवस्था और नियमों के अनुसार जीवन की यात्रा पर आगे बढ़ना होगा, सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया। सभी सुखी रहें, सब निरोग रहें, यही ईश्वर से प्रार्थना करनी होगी। कोरोना का हमला, यह तो मात्र संकेत है। असली विनाश लीला तो अभी बाकी है।

अत: भारतवर्ष के लोगों से करबद्ध प्रार्थना है कि वह अपने वैदिक संस्कार, संस्कृति एवं कर्तव्यों को पहचानें एवं उन पर चलना प्रारम्भ करें। जाति-पांति, भेद भाव, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब, स्त्री-पुरुष, शोषक एवं शोषित, मजदूर, किसान के भेदभाव को मिटाकर एक साथ मिलकर सह-अस्तित्व के भाव को जगाते हुए रहना सीखें। - सम्पादक

प्रथम पृष्ठ का शेष

इस लिए हमें अपनी सुरक्षा के लिए, कोरोनावायरस से जीतने के , अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते रहना चाहिए, अपना ध्यान स्वयं रखना चाहिए, अपना रक्षक और चिकित्सक स्वयं बनना चाहिए।

**रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए -**

1. समय से सोना, समय से जागना, पूरी नींद लेना

2. प्रात:काल योगासन, प्राणायाम, व्यायाम करना

3. ईश्वर की स्तुति, प्रार्थना , उपासना, संध्या,यज्ञ आदि करना

4. शुद्ध सात्विक भोजन करना

5. विटामिन सी के लिए आंवला, नींबू, मौसमी आदि लेना

हरी सब्जियां, दालें और अंकुरित लेना, फल का सेवन करना, आयूष मंत्रालय द्वारा बताए गए काढ़े का सेवन करना।

**परहेज** - मैदे से निर्मित पदार्थ रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करते हैं

ब्रेड, बिस्किट, पैकेट वाली चीजों के साथ साथ भटूरे, नान, बर्गर पिज्जा, समोसे, जलेबी, कचौड़ी आदि का परहेज करें। पानी ज्यादा पीएं, कोल्ड ड्रिंक से बचें। अपना ध्यान रखें और स्वस्थ रहें।

**आवश्यक सूचना** - यदि आप अपने आपको अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं या कोराना के कोई भी लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो तत्काल सरकारी हस्पताल में अपनी जांच कराएं। अपने मोबाईल में आरोग्य सेतु एप्प अवश्य डाउनलोड रखें।

- ***सम्पादक***


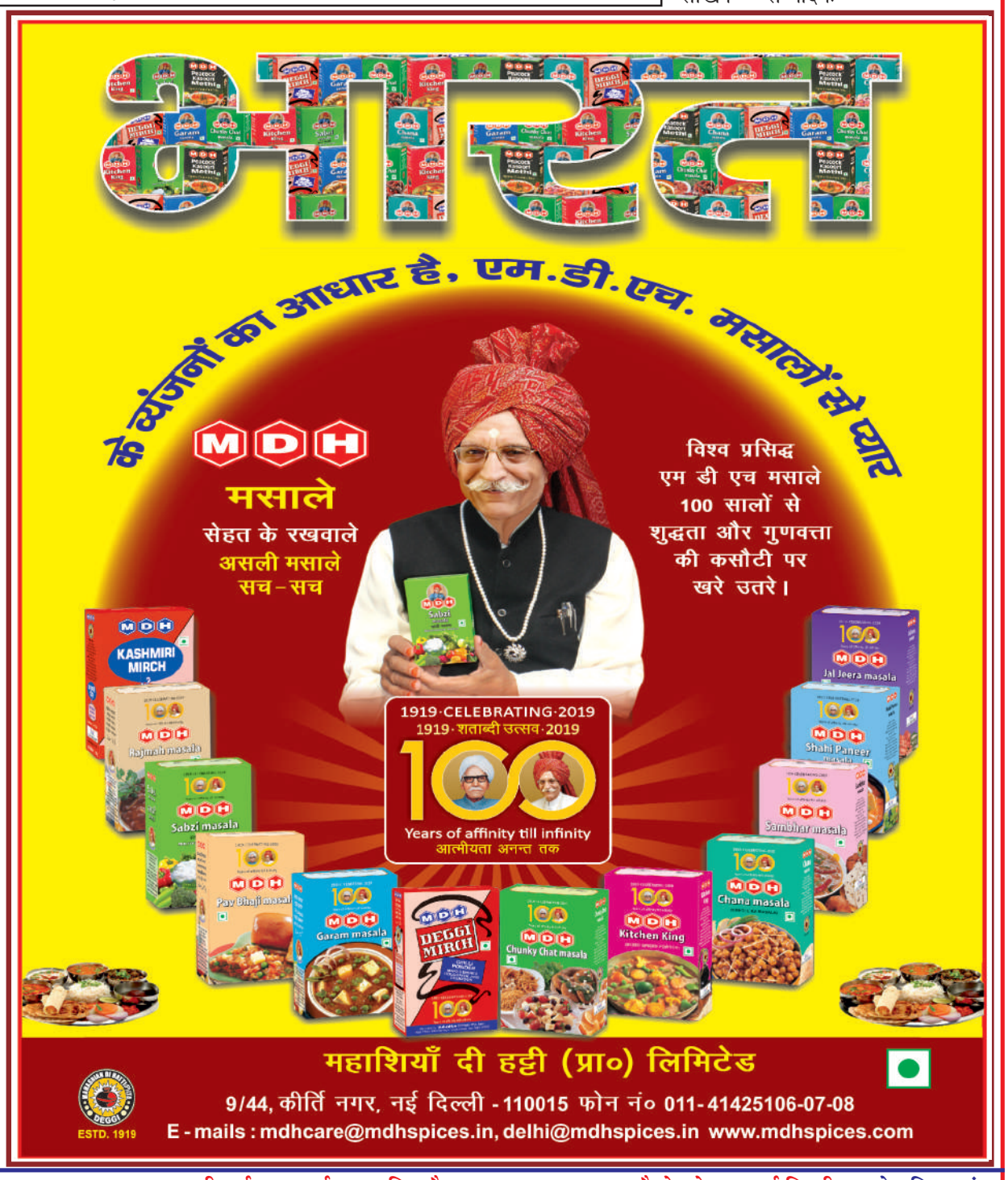




दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह